PART-**1**

रोमन भूगोलवेत्ता- स्ट्रैबो (Strabo)

भाग-2

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल

सर्व नारायण सिंह राम कुमार सिंह महाविद्यालय, सहरसा

भाग-2

स्ट्रैबो ने भूगोल का उद्देश्य बताते हुए ज्योग्राफिया की पहली पुस्तक में लिखा है कि "भूगोल का उद्देश्य केवल सामाजिक जीवन और प्रशासनिक कार्यों में सहायता देना ही नहीं है बल्कि भूगोल एक तंत्र विषय है जिसका उद्देश्य लोगों को इस संसार का, आकाशीय पिण्डों का, स्थल, महासागर, जीवों, वनस्पतियों, फलों तथा वृक्षों का और पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों में देखी जाने वाली अन्य वस्तुओं का ज्ञान उपलब्ध कराना है (H. L. Jones, 1927)।"

प्राचीन यूनानी तथा रोमन भूगोलवेत्ताओं में स्ट्रैबो ही अकेले व्यक्ति थे जिन्होंने भूगोल की कई शाखाओं-ऐतिहासिक, भौतिक, राजनीतिक, प्रादेशिक आदि का सार्थक वर्णन किया था। उन्होंने रोमन साम्राज्य के उत्थान और शक्ति पर इटली की आकृति,

उच्चावच, जलवायु तथा स्थानिक सम्बन्धों के प्रभाव की व्याख्या की थी। उन्होंने यूनान तट के समीप कुछ लघु द्वीपों को आगे बढती हुई तट रेखा में मिलते हुए निरीक्षण किया था और पाया था कि समुद्री तटों और तट के समीप स्थित द्वीपों के मध्य में तलछटी जमाओं के परिणामस्वरूप उनके बीच स्थलीय सम्बन्ध स्थापित हो जाते हैं। उन्होंने भूमध्य सागर में स्थित माउण्ट विसूवियस के ज्वालामुखी विस्फोटों का आँखों देखा वर्णन किया है और विसूवियस को एक जलते हुए पर्वत के रूप में प्रदर्शित किया है। उन्होंने लिखा है कि क्रेटर से बाहर निकलने वाला लावा धीरे-धीरे सघन और कठोर मिलस्टोन के समान कठोर शैल में परिवर्तित हो जाता है। स्ट्रैबो ने यूनान के चूना पत्थर प्रदेश (कार्स्ट प्रदेश) में भूमिगत जल द्वारा निर्मित स्थलाकृतियों के निर्माण का वर्णन भौतिक भूगोलवेत्ता के दृष्टिकोण से किया है।

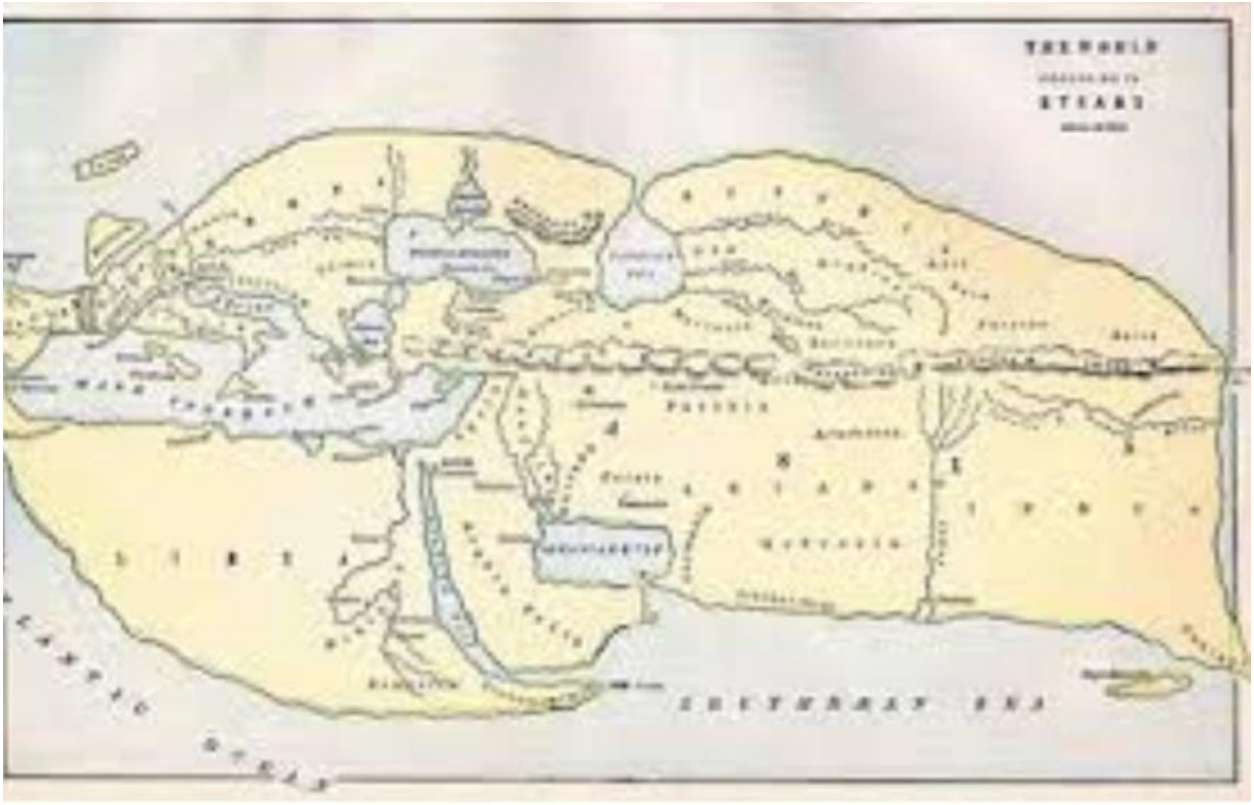

Stabo's View of the World

स्ट्रैबो का सर्वाधिक योगदान प्रादेशिक भूगोल में माना जाता है। उन्होंने अपनी विभिन्न पुस्तकों में अलग-अलग प्रदेशों का भौगोलिक वर्णन किया है। उन्होंने इटली, स्पेन, गाल (फ्रांस), यूनान, उत्तरी एवं पूर्वी यूरोप, एशिया माइनर (टकी), फारस, मेसोपोटामिया, भारत, अरब, सीरिया तथा मिस्र, लीबिया, इथोपिया आदि अफ्रीकी देशों का भौगोलिक वर्णन किया है। स्ट्रैबो की रचनाओं से उस समय तक ज्ञात संसार के विषय में जानकारी प्राप्त

होती है यद्यपि दूरवर्ती क्षेत्रों के विषय में जानकारी कही-सुनी बातों पर आधारित होने के कारण त्रुटिपूर्ण थी।